Bal Bharati Public School, Pitampura Delhi, 110043

कक्षा दसवीं

प्रिय विद्यार्थियों ,

आप बड़े भाई साहब पाठ पढ़ चुके हैं |

निर्देश--

पठित गद्यांश के उत्तर अपनी नोटबुक में लिखिए |

१.सालाना इम्तिहान हुआ। भाई साहब फेल हो गए, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाई साहब को आड़े हाथों लूँ - 'आपकी वह घोर तपस्या कहाँ गई? मुझे देखिए मज़े से खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हूँ।' लेकिन वह इतने दुखी और उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर नमक छिड़कने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ, अब मुझे अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। भाई साहब का वह रौब मुझ पर न रहा। आजादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मजबूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फ़जीहत की, तो साफ़ कह दूंगा- 'आपने अपना खून जलाकर कौन-सा तीर मार लिया। मैं तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया।' ज़बान से यह हेकड़ी जताने का साहस न होने पर भी मेरे रंग-ढंग से साफ़ ज़ाहिर होता था कि भाई साहब का वह आतंक मुझ पर नहीं था। भाई साहब ने इसे भाँप लिया - उनकी सहज बुद्धि बड़ी तीव्र थी और एक दिन जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली-डंडे को भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा, तो भाई साहब ने मानो तलवार खींच ली और मुझ पर टूट पड़े - देखता हूँ, इस साल पास हो गए और दरजे में अव्वल आ गए, तो तुम्हें दिमाग हो गया है, मगर भाईजान, घमंड तो बड़े-बड़ो का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है? इतिहास में रावण

का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन-सा उपदेश लिया? या यों ही पढ़ गए?

प्रश्न

(क) सालाना इम्तिहान का क्या परिणाम रहा?

(ख) लेखक को क्या लज्जास्पद जान पड़ा?

(ग) बड़े भाई ने लेखक को कैसे फटकारा?
(घ)उपर्युक्त गद्यांश में से मुहावरे छाँटिए |

२.शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा। उसे यह अभिमान हुआ था कि ईश्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नरक में ढकेल दिया गया। शाहेरूम ने भी एक बार अहंकार किया था। भीख माँग-माँगकर मर गया | तुमने तो अभी केवल एक दरजा पास किया है और अभी से तुम्हारा सिर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुके। यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई। मगर बटेर केवल एक बार हाथ लग सकती है,बार-बार नहीं लग सकती। कभी-कभी गुल्ली-डंडे में भी अंधा-चोट निशाना पड़ जाता है। इससे कोई सफल खिलाड़ी नहीं हो जाता। सफल खिलाड़ी वह है, जिसका कोई निशाना खाली न जाए।

प्रश्न

(क) शैतान का हाल क्या हो गया था और क्यों?
(ख) सफल खिलाड़ी किसे कहा जाता है, किसे नहीं?

(ग) शाहेरूम भीख माँग-माँगकर क्यों मर गया? इससे हमें क्या शिक्षा मिलती है?

BPS, PITAMPURA

निम्न मुहावरों के अर्थ दिए गए है , आप मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(१)जिगर के टुकड़े टुकड़े होना (दिल दुखना)

(२)तलवार खींचना (मरने मारने पर उतारू होना)

(३)तीर मार लेना (कोई बड़ा काम कर लेना)

(४) दाँतों पसीना आ जाना (हालत ख़राब हो जाना)

(५)दिमाग होना (घमंड हो जाना)

(६) नतमस्तक होना (आदरपूर्वक झुकना)

BBPS, PITAMPURA